अपनी बात

सेन्ट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की पत्रिका

अंक : 465, वर्ष 37

राँची, 30 अप्रैल, 2013

वार्षिक खान सुरक्षा 2012

समग्र निष्पादन में खुली एवं भूमिगत खदान दोनों में सीसीएल को प्रथम पुरस्कार

8 अप्रैल, 2013 को सीसीएल के बरका–सयाल क्षेत्र के भुरकुन्डा स्थित मयूर स्टेडियम में आयोजित 55वाँ वार्षिक खान सुरक्षा सप्ताह 2012 सह – पारितोषिक वितरण समारोह(रांची जोन) में सीसीएल को भूमिगत खदान और खुली खदान में समग्र निष्पादन के लिए प्रथम पुरस्कार दिया गया।

समग्र निष्पादन (ओवर आल परफारमेंस) के अन्तर्गत खुली खदान ग्रुप 'ए' में सीसीएल के अशोक परियोजना को प्रथम जबकि 'टाटा एस. ई.' को द्वितीय एवं सीसीएल के उरीमारी को तृतीय स्थान मिला। समग्र निष्पादन के अन्तर्गत खुली खदान ग्रुप 'बी' में उषा मार्टिन के काथोटिया को प्रथम, सीसीएल के बिरसा को द्वितीय एवं सीसीएल के ही केदला को तृतीय पुरस्कार मिला। भुरकुन्डा, केदला एवं रे बचरा को भूमिगत खदान के अन्तर्गत समग्र निष्पादन (ओवर आल परफोरमेंस) में क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान मिला। उक्त अवसर पर लगाये गये सुरक्षा स्टॉल में सीसीएल के एन के क्षेत्र को प्रथम और बरका–सयाल को द्वितीय पुरस्कार मिला। खदान सुरक्षा में विशेष योगदान के लिए कुल 155 पुरस्कार दिए गए।

समारोह के दौरान मुख्य अतिथि महानिदेशक (खान सुरक्षा) श्री राहुल गुहा, कार्यक्रम के अध्यक्ष, अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक श्री गोपाल सिंह, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री टी के नाग, उप महा. निदेशक (खान सुरक्षा) (दक्षिण पूर्व क्षेत्र) श्री ए विश्वास, निदेशक (खान सुरक्षा) श्री कमलेश शर्मा, निदेशक (खान सुरक्षा) श्री एन के मालवीय एवं कंपनी के वरीय अधिकारी सहित निजी कंपनी के अधिकारियों ने मैदान में लगाये गये सुरक्षा स्टॉल का निरीक्षण किया। मुख्य अतिथि का परम्परागत आदिवासी नृत्य के साथ श्री मुकुंद नायक की टीम ने स्वागत किया साथ ही इस अवसर पर मशाल प्रज्ज्वलन, सुरक्षा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत कोल इंडिया कारपोरेट गीत तथा अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। उपस्थित सभी ने दिवंगत कोयला श्रमिकों को दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

समारोह में मुख्य अतिथि श्री राहुल गुहा, महानिदेशक (खान सुरक्षा) ने कहा कि वर्तमान बदलते परिवेश में कर्मियों में सुरक्षा के प्रति जागरुकता लाना, उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि के लिए आवश्यक है। उन्होंने कहा कि खान सुरक्षा किसी एक की नहीं बल्कि सबकी जिम्मेवारी है। सीसीएल प्रबंधन का सुरक्षा के प्रति काफी सकारात्मक नजरिया रहा है, श्रम संघ की भूमिका भी सुरक्षा के प्रति सराहनीय रही है। हमें 'शून्य दुर्घटना' की जगह 'जिरो क्षति' को अपनाना है। हमारा यह उद्देश्य होना चाहिए कि हम यह सुनिश्चित करें कि जो व्यक्ति खदान में कार्य करने के लिए निकला है वह सकुशल कार्य के बाद अपने परिवार में लौट सके। हमारी दैनिक आदतों

श्री राहुल गुहा, महानिदेशक (खान सुरक्षा) ने खान कर्मियों को जीत की ट्रॉफी देकर प्रोत्साहित किया

में छोटे–छोटे बदलाव से हम सुरक्षा को सुदृढ़ कर सकते हैं।

समारोह के अध्यक्ष श्री गोपाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि डीजीएमएस और श्रम संघ प्रतिनिधियों के सुझाये गये सलाहों पर प्रबंधन अवश्य अमल करेगा। कम्पनी में दुर्घटना कम हुई है, मगर इससे हमें संतुष्ट नहीं होना है। वार्षिक सुरक्षा सप्ताह के आयोजन की महत्ता को बताते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार का आयोजन खान सुरक्षा के लिए अति आवश्यक है। यह खनिकों के बीच सुरक्षा के प्रति जागरुकता लाने का एक मजबूत आधार है। उन्होंने त्रिपक्षीय सुरक्षा समिति को उनके बहुमूल्य सुझावों के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने सभी श्रम संघ प्रतिनिधियों के सुझावों के अनुसार सड़क, मकान का रख–रखाव एवं जलापूर्ति की समस्याओं को पूरा करने के प्रयास का आश्वासन दिया साथ ही कहा कि मंत्रालय एवं डीजीएमएस द्वारा निर्धारित नियमों का पूर्ण पालन करने के लिए हमारी कम्पनी प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि कोयला उद्योग से जुड़े हर व्यक्ति को उन ग्रामीणों का हृदय से सम्मान करना चाहिए जो अपनी जमीन देकर हमें कोयला उत्पादन का मौका देते हैं। हमें हमारे कर्मियों के साथ उन ग्रामीणों की सुरक्षा भी सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने अपने वक्तव्य में डीजीएमएस को आश्वासन दिया कि बीटीटीआई का पुर्नरुद्धार कर उसे अगले सत्र से शुरु किया जायेगा।

उप महानिदेशक (खान सुरक्षा) श्री ए विश्वास, निदेशक (खान सुरक्षा) श्री कमलेश शर्मा एवं श्री एन. के. मालवीय ने अवसरानुसार अपने विचार रखें।

समारोह को संबोधित करते हुए निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री टी के नाग ने इस प्रकार के आयोजन के औचित्य को सही ठहराते हुए कहा कि सुरक्षा सप्ताह के आयोजन से सुरक्षा के प्रति जागरुकता आती है। पिट सेफ्टी कमिटी की बैठक द्वारा खान सुरक्षा पर वर्ष भर चर्चा होती है जिसका लाभ हमें खान सुरक्षा को दुरुस्त करने में मिलता है।

मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं बचाव) श्री टी बी मित्रा ने उपस्थित सभी का स्वागत किया। विभिन्न श्रम संघ के प्रतिनिधिगण सर्वश्री पी डी सिंह, उदय सिंह, रघुनाथ सिंह, कन्हैया दुबे, राजेश कुमार सिंह, रवीन्द्र नाथ सिंह, रवीन्द्र प्रसाद ने भी अपने विचार रखें। एक सुरक्षा स्मारिका का विमोचन मुख्य अतिथि ने किया।

अवसर विशेष पर सुरक्षा नाटिका के माध्यम से सुरक्षा और उत्पादन के संबंध को दर्शाया गया। डीएवी स्कूल, बरकाकाना क्षेत्र के छात्रों ने सीसीएल के कल्याणकारी कार्यों से संबंधित आकर्षक झांकी एवं रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। श्री सुमीत घोष, महाप्रबंधक, बरका सयाल क्षेत्र ने स्वागत भाषण किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन श्री बी के अग्रवाल, स्टाफ आफिसर (सुरक्षा), बरका सयाल ने किया।

सीसीएल सम्मानित

राष्ट्रभाषा स्वाभिमान न्यास (भारत) यू.एस.एम. पत्रिका द्वारा 27 अप्रैल, 2013 को गांधी शांति प्रतिष्ठान, नई दिल्ली के सभागार में आयोजित 16वें अखिल भारतीय राजभाषा विकास एवं सम्मान समारोह में सीसीएल को राजभाषा हिन्दी के कार्यान्वयन में उत्कृष्ठ, प्रशंसनीय एवं प्रेरक योगदान के लिए प्रशस्ति पत्र एवं शील्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। सीसीएल की ओर से श्री मथुरा प्रसाद पांडे, वरीय प्रबंधक (राजभाषा) ने पुरस्कार ग्रहण किया। इसके साथ ही राजभाषा के विकास में सराहनीय योगदान के लिए सीसीएल के श्री मथुरा प्रसाद पांडे, वरीय प्रबंधक, (राजभाषा), श्री पार्थ भट्टाचार्जी, निदेशक (कार्मिक) के तकनीकी सचिव तथा श्री एस सी पांडे, मुख्य प्रबंधक (कार्मिक) को भी सम्मानित किया गया।

अवर कोल सचिव ने सीसीएल के कार्य–निष्पादन की समीक्षा की

अवर सचिव (कोल)(भारत सरकार) डा. ए के दुबे ने मुख्यालय में सीसीएल के कार्य–निष्पादन की समीक्षा की। बैठक में सी एम डी श्री गोपाल सिंह, निदेशक (तकनीकी/संचालन) श्री टी के नाग, निदेशक (कार्मिक) श्री आर आर मिश्र, सतर्कता अधिकारी श्रीमती विस्मिता तेज सहित मुख्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष उपस्थित थे। बैठक के पहले उन्होंने मुख्यालय स्थित शहीद स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित कर दिवंगत कोयला कर्मियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्यालय में सीसीएल के कार्य निष्पादन की समीक्षा करते हुए अवर सचिव डा. ए. के. दुबे ने कहा कि कम्पनी के संचालन संबंधी, संस्थान द्वारा किए जा रहे विभिन्न गतिविधियों के साथ–साथ निगमित सामाजिक उत्तरादायित्व के अन्तर्गत किए जा रहे कार्यों की मुझे विस्तृत जानकारी मिली। उन्होंने कोयला उत्पादन बढ़ाने हेतु वर्ष के प्रारंभ से ही ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कोयला प्रेषण, ओ बी रिमूवल, कोयले की गुणवत्ता, नई परियोजनाओं, सीएसआर की गतिविधियों आदि पर विशेष ध्यान देने के दिशा–निर्देश दिये साथ ही वन भूमि क्लीयरेंस पर विशेष जोर देने की बात कही। उन्होंने सीसीएल के कोयला प्रेषण की गति में वृद्धि दर को बनाये रखने के लिए प्रबंधन को सराहा तथा कहा कि वर्ष 2013–14 में भी इस

समीक्षा बैठक का एक दृश्य

वृद्धि दर को बनाये रखें। उन्होंने जन आरोग्य केन्द्र (बी पी एल अस्पताल) तथा गांधीनगर अस्पताल का भी निरीक्षण किया। डा. ए. के. दुबे ने कहा कि आप सभी अपने सुझाव सीधे मंत्रालय को भेज सकते हैं।

श्री गोपाल सिंह ने सीसीएल के 49 हजार कर्मियों की ओर से अवर सचिव डा. ए. के. दुबे का स्वागत करते हुए कम्पनी से संबंधित सभी मुद्दे जैसे कोयला उत्पादन, प्रेषण, ओ.बी. रिमुवल, सीएसआर की गतिविधियों के अन्तर्गत कायाकल्प योजना आदि के विषय में पावर प्वाइंट के माध्यम से विस्तार से अवर सचिव महोदय को जानकारी दी। वित्तीय वर्ष 2012–13 को सीसीएल ने प्रेषण वर्ष के रुप में मनाया था जिसका उद्देश्य कोयला स्टाक को कम करना था। सीसीएल ने वर्ष 2012–13 में 53.00 मिलियन टन कोयला प्रेषण किया जबकि वर्ष 2011–12 में 48.04 मिलियन टन कोयले का प्रेषण हुआ था और इसमें 10.4 प्रतिशत वृद्धि दर्ज की गई है। उन्होंने वनभूमि क्लीयरेंस के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि कोनार खुली खदान, केदला खुली खदान, झारखंड, खासमहल, रोहिणी, उरीमारी, अशोक में से प्रथम चार का स्टेज – 2 क्लीयरेंस और अन्य तीन का स्टेज–। क्लीयरेंस झारखंड सरकार द्वारा वन एवं पर्यावरण मंत्रालय को प्रेषित कर दिया गया है। रजरप्पा, स्वांग, कथारा तथा केदला वाशरि का वृहद स्तर पर नवीकरण किया जा रहा है। उन्होंने टोरी–शिवपूर रेलवे लाइन की प्रगति, कम्पनी की भूमि अधिग्रहण की जानकारी अवर सचिव महोदय को दी।

अवर सचिव डा. दुबे ने सीसीएल मुख्यालय में अवस्थित 'समाधान केन्द्र' का भी दौरा किया जहां डा. बी एम के सिन्हा ने विस्तार से इस केन्द्र की गतिविधियों की जानकारी दी।

सम्पादक : दीपक कुमार, प्रबंधक, जनसम्पर्क विभाग ● सहायक सम्पादक : निवेदिता बनर्जी, वरीय अधिकारी (रा.भा.), सीसीएल, दरभंगा हाउस, राँची द्वारा प्रकाशित एवं सीसीएल प्रेस, राँची में मुद्रित। (आंतरिक वितरण हेतु)